सूर्योदय 6.13AM सूर्यास्त 06.10PM
चंद्रोदय 03.00AM चंद्रास्त 04.02PM
आश्विन-12 कृष्ण- 8
सूर्य राशि : कन्या
तिथिः एकादशी 02:49PM
नक्षत्रः अश्लेशा 03:38AM
योगः सिद्ध 11:51PM
करणः बालव 02:49PM

• वर्ष : 5 • अंक: 354 • मूल्य : 4 रू.
• RNI No. -DELHIN/2019/78266
newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

शनिवार, 28 सितम्बर 2024
राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र
दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

सीएसआईआर एवं आईसीएआर की राष्ट्रव्यापी सफलता उसके वैज्ञानिकों के जुनून और समर्पण का परिणाम : डॉ जगदीश राणे

सीरी में सीएसआईआर के 83वें स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन

» मदरलैंड संवाददाता

पिलानी। सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी, में 27 सितंबर, 2024 को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) का 83वाँ स्थापना दिवस समारोहपूर्वक आयोजित किया गया। केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर के निदेशक डॉ जगदीश राणे समारोह के मुख्य अतिथि थे। सीएसआईआर-सीरी के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री शारदा प्रसाद एवं डॉ पी भानुप्रसाद इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने की। विगत एक वर्ष के दौरान संस्थान से सेवानिवृत्त हुए 5 सहकर्मियों तथा परिषद में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले संस्थान के 3 सहकर्मियों को उनकी समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही सीएसआईआर निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वर्तमान एवं पूर्व सहकर्मियों सहित सीरी विद्या मंदिर की प्रधानाचार्या श्रीमती बी राशेल एवं मीडियाकर्मियों सहित पिलानी के गणमान्यजन उपस्थित थे। इस अवसर पर सीएसआईआर-सीरी एवं केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर के बीच कृषि अनुसंधान में परस्पर सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन का भी आदान प्रदान हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ जगदीश राणे ने स्थापना दिवस संबोधन में 83वें सीएसआईआर स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने संस्थान की शोध उपलब्धियों व गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए डॉ पंचारिया को बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने अपने संस्थान के शोध कार्यों का परिचय देते हुए कहा कि सीएसआईआर सहित आईसीएआर की प्रयोगशालाएँ भी देश की आवश्यकताओं के अनुरूप वैज्ञानिक अनुसंधानों से देश के नागरिकों की सेवा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सीआईएएच, बीकानेर सहित आईसीएआर की सभी प्रयोगशालाओं ने देश को कृषि उत्पादों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान दिया है। देश की वैज्ञानिक, औद्योगिक एवं कृषि प्रगति दोनों संगठनों के वैज्ञानिकों के समर्पण व जुनून के कारण ही संभव हुई है। विशिष्ट अतिथि श्री शारदा प्रसाद एवं डॉ पी भानुप्रसाद ने संस्थान के सेवाकाल के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उन्हें गर्व है कि हमने सीएसआईआर जैसे प्रतिष्ठित अनुसंधान संगठन में इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान को समर्पित देश की अग्रणी राष्ट्रीय प्रयोगशाला ह्यसीरीह्न को अपनी सेवाएँ दीं। अपने भावपूर्ण संबोधन में उन्होंने सीरी और सीएसआईआर की उत्तरोत्तर उन्नति की कामना की। उन्होंने सेवा सम्मान प्राप्त करने वाले सहकर्मियों सहित सीरी परिवार के सभी पूर्व व वर्तमान सहकर्मियों व अतिथियों को सीएसआईआर स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी। इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने सभी अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया और सभी अतिथियों, वर्तमान व पूर्व सहकर्मियों को 83वें सीएसआईआर स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर देश की औद्योगिक और सामाजिक उन्नति में परिषद प्रयोगशालाओं के प्रमुख शोध कार्यों के योगदान का उल्लेख किया। अतिथियों ने विज्ञान संग्रहालय और टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और वैज्ञानिकों से चर्चा की। समारोह का संचालन वैज्ञानिकों डॉ अदिति एवं डॉ राजेन्द्र वर्मा ने किया। संचालन के दौरान उन्होंने सभी उपस्थित सहकर्मियों एवं अन्य आमंत्रित अतिथियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का औपचारिक परिचय भी दिया। अंत में मुख्य वैज्ञानिक डॉ सुचंदन पाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ हुआ।